शीर्षक– क्रिकेट का इतिहास एवं विकास तथा अंतराष्ट्रिय महत्व

डॉ. मनीष सक्सेना

अटल बिहारी वाजपेयी वि.वि.

बिलासपुर (छ.ग.)

सारांश :– क्रिकेट खेल का इतिहास 16 वीं शताब्दी से लेकर वर्तमान तक अवस्थित है। अंतराष्ट्रीय मैच 1844 के बाद खेला गया, हालांकी आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट 1877 में सुरू हुआ। इस समय से यह खेल मूल रूप से इंग्लैंड में विकसीत हुआ और अब अधिकांश राष्ट्रमंडल में पेशेवर रूप से खेला जाता है। भारत अभी तक 2 बार विश्व कप जीत चुका है।

भूमिका :–

यह संभव है कि क्रिकेट का अविष्कार बच्चों द्वारा किया गया था एवं यह कई पीढ़ियों तक बच्चों के लिए आवश्यक खेल के रूप में अस्तित्व में रहा। 17 वीं शताब्दी से पहले वयस्कों की भागीदारी इस खेल में नहीं थी। क्रिकेट की उत्पत्ति संभवतः लकड़ी के गेंद से उत्पन्न हुआ था, जो कि एक पुराना खेल है। जिसमें बल्लेबाज गेंद रोकने की कोशिश करता था और अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए उसे जोर से मारता था। उस समय गेंद भेड़ के ऊन के गोले से बना रहता था। धीरे–धारे गेंद में परिवर्तन आता गया वर्तमान में गेंद विभिन्न प्रकार के सामाग्रियों से बनाई जा सकती है। आमतौर पर चमड़ा, सिथेंक्सि व रबर से गेंद बनाई जा रही है। विदेशों में विशेष तौर पर जानवरों के अंगों से गेंद बनाई जाती है।

खेल के बुनियादी उपकरण :– एक छड़ी या अंकुनी या अन्य कृषि उपकरण जो बल्ले के रूप में काम आता था और एक स्टूल या पेड़ स्टंप (जैसे, विकेट फाटक) आदि इस खेल के बुनियादी उपकरण थे। यह ज्ञात है कि क्रिकेट की शुरुआत 16 शताब्दी में हुई थी। परिस्थितीयों के आधर पर निष्कर्ष निकलता है कि खेल की शुरुआत वील्ड में रहने वाले बच्चों ने सक्सोन या नोर्मन में हुआ था। मध्ययुगीन काल में, वील्ड छोटे खेती और धातु के काम करने वाले समुदायों से बसा हुआ था। 17 वीं

Copyright @ 2023 Author

सदी की शुरुआत के आसपास वयस्कों के द्वारा शुरू करने से पहले, क्रिकेट कई शताब्दियों तक बच्चों के खेल के रूप में मौजूद था। यह खेल वैसे ही खेला जाता था जैसे गली मुहल्ले में कोई खेल केवल मजे के तौर पर खेला जाता है।

क्रिकेट नाम की व्युत्पत्ति :–

कई शब्दों के संभावित श्रोत कई शब्दों को माना जाता है। जिनमें क्रिकेट भी शामिल है, जो बल्ले या विकेट को संदर्भित करता सकता है। पुराने फ्रेंच में क्रिकेट शब्द एक प्रकार का क्लब है। जिसमें क्रोकेट को अपना नाम दिया। कुछ लोग क्रिकेट और क्रोकेट को एक ही मूल का मानते हैं। फ्लेमिस में क्रिक (ई) मतलब एक छड़ी होता है। और पुरानी अंग्रेजी में, क्रिक या क्राईस का मतलब बैसाखी हामता है। यद्यपि के ध्वनि दक्षिण–पूर्व के बजाय उत्तर या उत्तरपूर्वी मिसलैंड्स की ओर ईसारा करती है, जहां क्रिकेट संभ्सवताः उत्पन्न हुआ। वैकल्पिक रूप से, फ्रांसीसी शब्द क्रिकेट स्पष्ट रूप से फ्लेमिस शब्द क्रिकस्टोएल से आया है, जिसका अर्थ है छोटा या लम्बा स्टूल जिस पर चर्च में घुटने टेके जाते है। आमतौर पर फ्रेंच भाषा में बतपुनमज इसी थ्समउपी शब्द से आया है ातपबोजवमसहै, जिसका मतलब एक छोटा और लंबा स्टूल है जिस पर चर्च में घुटने टेकते हैं। स्टूल शब्द प्राचीन बोलचाल की भाषा में लकड़ी के विकेट के लिए प्रयोग किया जाता था। परन्तु प्राचीन समय में स्टूल (स्टूलबाल) मिल्किंग– स्टूल का प्रयोग विकेट के रूप में प्रयोग किया गया है। स्टूल बाल क्रिकेट के समान एक प्राचीन खेल है, अभी भी इंग्लैंड के दक्षिणी काउंटी, विशेष रूप से ससेक्स, राउंडर्स और बेसबॉल. में खेला जाता है यह क्रिकेट के अग्रदूत के रूप में मान्य है।

विषय वस्तु

1. प्रारंभिक सत्रहवीं सदी :–

अंग्रेजी गृहयुद्ध के कई संदर्भ हैं जो इंगित करते हैं कि वसस्क खेल पैरिश टीमों के बीच खेला जाता था, लेकिन इस समय की काउंटी टीमों का कोई ठोस सबूत नहीं है। साथ ही, वहाँ का अनियंत्रित छोटा सा जुआ 18 वीं

Copyright @ 2023 Author

सदी के खेल की खूबियां का सबूत है। यह आम तौर पर ज्ञात है कि ग्रामीण क्रिकेट 17 वीं शताब्दी के मध्य तक विकसित हो चुका था। परन्तु काउंटी क्रिकेट की शुरूआत नहीं हुई थी एवं न ही इस खेल में निवेश किया गयो था।

2. **अठारहवीं शताब्दी का क्रिकेट संरक्षण और खिलाड़ी :–**

इस सदी में जुआ को पहला संरक्षक मिला क्योंकि कुछ जुआरियो ने अपनी टीम बनकर अपने दावे को मजबूत किया, इस तरह बहाली के बाद पहली काउंटी टीम का गठन हुआ। खेल में टीम के लिए काउंटी नाम का उपयोग पहली बार सन् 1709 में किया गया लेकिन यह इसमें प्रॉस्पेक्टस प्रणली उउसे पहले मौजूद थी। 1697 में मैच संभवताः ससेक्स बनाम काउंटी रहे होंगे। संरक्षकों का सबसे पहला उल्लेख 1725 में मिलता है, जो अभिजात वर्ग एवं व्यापारियों का एक समूह था। उनकी अधिक सक्रियता के कारण बहुत नियमित प्रेस कवरेज हुई। इनमें चार्ल्स लेनोक्स, रिचमंड के दूसरे डयूक, सर विलियम गेज, 7वें बैरोनेट, एलन ब्रोड्रिक एवं एडवड स्टीज शामिल थे।

इंग्लैंड में क्रिकेट का निरंतर विस्तार तथा इंग्लैंड के बाहर क्रिकेट का विकास :–

क्रिकेट 17 वीं शताब्दी में अंग्रेजी उपनिवेशों के माध्यम से उत्तरी अमेरिका पहुँचा, शायद यह इंग्लैंड के उत्तर से पहले पहुँचा। .18 वीं सदी में यह दुनिया के अन्य हिस्सो तक पहुँचा गया। वेस्ट इंडीज में उपननिवेशवादियों द्वारा भारत में शुरुआत हुई। यह इस शताब्दी के पूर्वार्ध में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के नाविकों द्वारा इस 1788 में ऑस्ट्रेलिया के उपनिवेशीकरण की शरूआत के साथ हुआ था। जैसे ही उपनिवेश के प्रारम्भ के साथ ही 19 वीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका में इसका आगमन हुआ। यह खेल पूरे इंग्लैंड में फैल गया और 1751 में, यॉर्कशायर को पहले आयोजन स्थल के रूप में उल्लेखित किया गया। मूल रूप से गेंदबाजी 1760 के बाद जब गेंदबाजों ने गेंद की चपबी, लाइन, लम्बाई और गति के अध्यन शुरू किया तो इसे रोक दिया गया। स्कोरकार्ड का उपयोग 1772 से नियमित आधार किया जा रहा है एवं उस समय से खेल के विकास की तस्वीर तेजी से स्पष्ट हो गई। प्रारंभिक 18 वीं

Copyright @ 2023 Author

सदी के शुरूआत में लन्दन और डार्टफोर्ड पहले प्रसिद्ध क्लब थे। लन्दन ने अपने मैच प्रसिद्ध आर्टिलरी ग्राउंड पर खेले जो अभी भी वहीं स्थित है। जिसे अन्य लोगों ने अनुसरण किया, विशेष रूप से स्लिंडन जो ससेक्स के लिए खेलते थे, स्टार ऑफ रिचमंड द्वारा समर्थित थे। लेकिन शुरूआती क्लबों में अब–तक हैम्बलडन हैम्पशायर था, जो एक पैरिश संगठन के रूप में शुरू हुआ और पहली बार 1756 में प्रमुखता प्राप्त की। हैम्पशायर ने मास्टर बल्लेबाज जॉन स्मॉल और पहले महान तेज गेंदबाज थामस ब्रेट को तैयार किया। उनके सबसे उल्लेखनीय प्रतिद्वंदी चर्टसी और सरे गेंदबाज एडवर्ड लम्पी स्टीवंश थे, जो फ्लाइट डिलीवरी के मुख्य प्रस्तावक थे।

क्रिकेट नियमों का विकास :–

क्रिकेट का बुनियादी नियम जैसे बल्ले और गेंद, विकेट, पिच आयामों, ओवरों, आउट के तरीके इत्यादि प्राचीन काल से ही अस्तित्व में है। 1728 में, कुछ कोड पहली बार एक विशेष खेल के लिए समझौते के लेख के रूप में निर्धारित किए गये थे। जो बाद में सामान्य निर्देशन बन गये। विशेष रूप से जुए के खेल के लिए पुरस्कार और धन के भुकतान में महत्वपूर्ण थे। 1744 में एलबीडब्ल्यू, मध्य स्टंप और अधिकतम बल्ले की चौड़ाई जैसे नवाचारों की शुरूआत के बाद 1744 में क्रिकेट के नियमों को पहली बार संहिताबद्ध किया गया। इन कानूनों में प्रावधान है कि प्रिंसिपल दो सज्जनों को अंपायर के रूप में चुनेंगे, जो सभी विवादों पर निर्णय देंगे। इस कोड की स्थापना तथाकथित स्टार एवं गार्टर क्लब द्वारा तैयार किया गया था, जिसके सदस्यों ने अंततः 1787 की पुष्टी की। इस तरह एमसीसी कानून के संरक्षक के रूप में स्थापित हुआ और बाद में समय–समय पर संशोधन एवं पुनः संहिताकरण शुरू हुआ।

क्रिकेट एवं संकट

18 वीं शताब्दी में क्रिकेट को वास्तविक संकट का सामना करना पड़ा। जब सात साल के युद्ध के दौरान प्रमुख मैच बंद हो गए। इसके मुख्य कारण निवेश न होना और खिलाडियो की कमी थी। लेकिन खेल जीवित रहने में

Copyright @ 2023 Author

कामयाब रहा और 1760 के दशक के मध्य में हैम्लडन काल, शुरू हुआ। 19 वीं सदी की शुरुआत में नपोलियन युद्धों के दौरान क्रिकेट को एक और बड़े मुसीबत का सामना करना पड़ा। चरम अवधि के दौरान प्रमुख मैच नहीं हुए। . इस बार भी मुख्य कारण निवेश न होना और खिलाडियो की कमी ही रहा। लेकिन, 1760 की भांति खेल बच गया और 1815 में धीरे–धीरे आगे बढा। रीजेंसी अवधि में एमसीसी का नेतृत्व लार्ड फ्रेडरिक ब्लूक्लर्क एवं जॉर्ज ऑस्बाल्डेस्टन ने किया था। 1817 में, उनकी साजिश और जलन के वजह से मैच फिक्सिंग कांड हुए जिसमें विलियम लैम्बर्ट जैसे बड़े खिलाड़ीयों पर आजीवन प्रतिबंधित लगा दिए गए। 1820 में, क्रिकेट को स्वयं एक बड़े संकट का सामना करना पड़ा, जब तेज गति से गेंदबाजी करने की अनुमति दे दिया गया।

3. उन्नीसवीं सदी में क्रिकेट एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट की शुरूआत

इस खेल में काउंटी क्लबों के पहली बार गठन के साथ संगठनात्मक बुनियादी परिवर्तन आए। 19 वीं सदी के दौरान सभी आधुनिक काउंटी क्लबों ससेक्स आदि की स्थापना हुई। 19 वीं सदी में रेलवे नेटवर्क के विकास के साथ मैच देखने वालों की तादात बढ़ी। 1864 में महान क्रिकेट खिलाड़ी विंग ग्रेस ने प्रियता बढ़ाने का काफी प्रयास किया। 1844 में सबसे पहला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच संयुक्त राज्य अमरीका और कनाडा के मध्य हुआ। 1859 में, पहली बार प्रमुख अंग्रेजी पेशेवरों की टीम विदेश दौरे पर रवाना हुई और 1862 में, पहली अंग्रेजी टीम ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया। 1877 में इंग्लैंड पर्यटन टीम ने पूर्ण ऑस्ट्रेलियाई एकादश के खिलाफ दो मैच ऑस्ट्रेलिया में खेला, इसी से टेस्ट मैचों .का उदघाटन माना जाता है। अगले ही वर्ष, ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार इंग्लैंड का दौरा किया जो शानदार सफल हुआ। इस दौरे पर हालाँकि कोई टेस्ट मैच नहीं हुआ परन्तु 1882 में शीघ्र ही अब तक का सबसे प्रसिद्ध मैच ओवल पर खेला गया जिससे द एसेस श्रृंखला की शुरुआत हुई। 1889 में दक्षिण अफ्रीका टेस्ट क्रिकेट खेलने वाला राष्ट्र बन गया।

काउंटी चैम्पियनशिप एवं गेंद प्रति ओवर :–

Copyright @ 2023 Author

एक महत्वपुर्ण घटना 1890 में एक महत्वपूर्ण घटना घटी जब काउंटी क्रिकेट चैम्पियनशिप का पहली बार औपचारिक रूप से गठन किया गया। 1890 से प्रथम विश्व युद्ध तक का समय विशेष रूप से घरेलू प्रेम और सतहीपन से भरा था। इस युग को क्रिकेट का स्वर्ण युग के नाम से जाना जाता है। इस युग के क्रिकेट के महान खिलाड़ी जैसे कि विलफ्रेड रोड्स सी.बी. फ्राई के एस रंजीतसिंह जी एवं विक्टर आदि रहें। 1889 में पुरातन चार गेंद प्रति ओवर को पाँच गेंद प्रति ओवर में बदल दिया गया और1900 में आधुनिक छह गेंद प्रति ओवर में परिवर्तित कर दिया गया। बाद में, कुछ देशों ने आठ गेंदों प्रति ओवर का भी प्रयोग किया। 1922 में,ऑस्ट्रेलिया में गेंदों की संख्या प्रति ओवर छह से आठ कर दिया गया। आठ गेंद प्रति ओवर का प्रचलन 1924 में न्यूजीलैंड और 1937 में दक्षिण अफ्रीका तक बढ़ गया। इंग्लैंड में, आठ गेंद वाले ओवर को, प्रायोगिक तौर पर 1939 के सीजन के लिए किया गया, 1940 तक प्रयोग जारी रखने का इरादा था परन्तु प्रथम श्रेणी क्रिकेट द्वितीय विश्व युद्ध के कारण निलंबित कर दिया गया था और जब इंग्लिश क्रिकेट दुबारा शुरू हुआ तो छह गेंद वाला ओवर पुनः बहाल हो गया। 1947 में क्रिकेट के कानून ने छह या आठ गेंदें खेलने की शर्तों के आधार पर अनुमति देदी। 1979/80 के ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड सीजन से, छह गेंद वाले ओवर का प्रयोग विश्व भर में हुआ और 2000 में कानून का सबसे हाल ही के संस्करण ने छह गेंद वाले ओवर की ही अनुमति दी है।

4. 21 वीं शताब्दी का क्रिकेट व बीसवीं शताब्दी का क्रिकेट तथा टेस्ट क्रिकेट का विकास :–

जब इंपीरियल क्रिकेट कॉन्फ्रेंस (जो मूल रूप से बुलाया जाता था) की स्थापना 1909 हुआ तो सिर्फ इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका इसके सदस्य थे। परन्तु यह जल्द ही बदला गया, द्वितीय विश्व युद्ध से पहले भारत, वेस्ट इंडीज और न्यूजीलैंड टेस्ट खलने वाले देश हो गए और शीघ्र ही पाकिस्तान भी इसमें शामिल हो गया। अंतराष्ट्रीय खेल में कई ष्सहबद्ध देश ष शामिल और

Copyright @ 2023 Author

20 वीं सदी के समापन के वर्षों में, तीन और देश श्रीलंका ैतप रंदां), जिम्बाब्वे और बांगलादेश. भी टेस्ट खेलने वाले देश बन गए।

20 वीं सदी के दौरान टेस्ट क्रिकेट सबसे लोकप्रिय खेलो में रहा परन्तु इसमें कई समस्याये भी आई, जब 1932/33 कुख्यात बाडीलाइन सीरीज हुई, जिसमें इंग्लैंड के डगलस जार्डीन ने तथाकथित पैर के सिद्धांत का इस्तेमाल ऑस्ट्रेलिया के डॉन ब्रेडमैन के रन स्कोरिंग की प्रतिभा को बेअसर करने के लिए उपयोग किया।

दक्षिण अफ्रीका का निलंबन (1970–1991)

इस दशक में अमेरिका में रंगभेद नीति अपने चरम सीमा पर था काले गोरे का फर्क अंतराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए सबसे बड़ा संकट था। दक्षिण अफ्रीकी की नस्लीय अलगाव वाली नीति के कारण हुआ। 1961 में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रमंडल देशों के समूह को छोड़ने के साथ यह स्थिति खराब हो गई। इस कारण से क्रिकेट बोर्ड को अंतराष्ट्रीय क्रिकेट सम्मेलन (आईसीसी). नियमों के तहत प्रतिबंधित कर दिया है। क्रिकेट में रंगभेद का विरोध 1968 में और तेज हो गया। जब दक्षिण अफ्रीकी अधिकारियों ने इंग्लैंड का दौरे रद्द कर दिया। क्योंकि बेसिल डी,ओलिवरा नामक नस्लीय खिलाड़ी को इंग्लैंड टीम में शामिल कर लिया था। 1970 में, आईसीसी के सदस्यों ने दक्षिण अफ्रीका को अनिश्चितकाल के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता से निलंबित करने के लिए मतदान किया। विडंबना यह है कि उस समय दक्षिण अफ्रीकी शायद विश्व में सबसे ताकतवर टीम थी।

दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट बोर्ड ने ज्यादा धन दे कर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को अलग टीम बना कर विद्रोही पर्यटन के रूप में अपने देश का दौरा करने के लिए प्रेरित किया ताकि अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के प्रतियोगिता की इच्छा को पुरा कर सके। आईसीसी ने उन खिलाडियों को विद्रोही खिलाड़ियों की काली सूची में डाल दिया, जो दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए सहमत हुए थे और अधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया। जैसा कि

Copyright @ 2023 Author

1970 में खिलाड़ियों का पारितोषिक कम था, कई खिलाड़ियों ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के प्रस्ताव स्वीकार कर लिया, विशेष रूप से इसमें वो खिलाड़ी शामिल थे जो करियर के आखिरी पडाव पर थे, जो प्रतिबन्ध से जयादा प्रभावित नहीं थे।

विद्रोही पर्यटन 1980 के दशक तक जारी रहा परन्तु दक्षिण अफ्रीका की राजनीति में प्रगति हुई और रंगभेद को समाप्त किया गयादक्षिण अफ्रीका, नेल्सन मंडेला के नेतृत्व में राष्ट्र के अंतर्गत 1991 में अंतराष्ट्रीय खेल में वापस स्वागत किया गया। आईसीसी ने जून 2001 में टेस्ट चैम्पियनशिप टेबल अक्टूबर 2002 में वन डे इंटरनेशनल चैम्पियनशिप लांच की। आस्ट्रेलिया ने दोनों तालिकाओं में 2007 के अंत तक लगातार शीर्ष स्थान।

(क्रिकेट खेलते हुए चित्र)

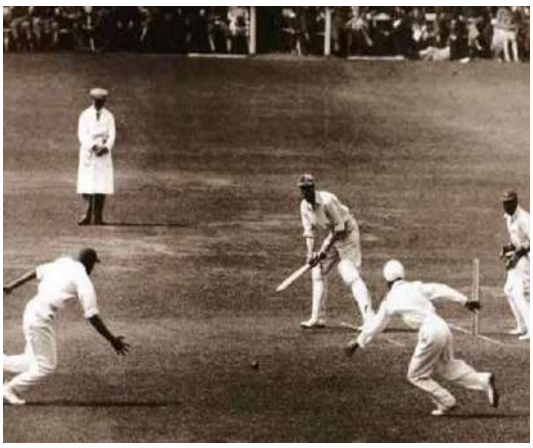

(पहला टेस्ट मैच 1932)

निष्कर्ष :–

आईसीसी ने जून 2001 में ष्टेस्ट चौम्पियनशिप तालिकाष और, अक्टूबर 2002 में एक ष्एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय चौम्पियनशिप तालिकाष की शुरुआत की। ऑस्ट्रेलिया ने लगातार (2007 के अंत तक) दोनों तालिकाओं में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। इसे अब–तक काफी लोकप्रियता मिल चुकी है। दर्शकों का ध्यान तो इसने अपनी ओर खींचा है। साथ ही टीवी दर्शकों को भी अपने ओर आकर्षित किया है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पहली बार 12 राष्ट्रों को लाया गया।

Copyright @ 2023 Author

अमेरिका को लंबे समय से क्रिकेट के एक आशाजनक बाजार के रूप में देखा गया है, लेकिन यह खेल जनता पर कोई प्रभाव छोड़ने में कामयाब नहीं हुई, जो की इस खेल से अनभिज्ञ है। क्रिकेट समर्थक पेशेवर लीग की स्थापना अमेरिका में 2004 में हुई जिसने आखरी सीमा रेखा पर करने का प्रयास किया। यद्यपि इस खेल का विकास आप्रवासी समूहों के माध्यम से जारी है। उदाहरण के लिए, क्रिकेट हाल ही में न्यूयॉर्क शहर के स्कूल प्रणाली की लीग खेल में जुडा है, इस में 600 से अधिक उच्च विद्यालय के छात्रों की 14 टीमों 12 सप्ताह प्रतियोगिता 15, में भाग ले रहीं हैं। चीन भी भविष्य में क्रिकेट के विकास का एक स्रोत है, 2004 में चीन सरकार ने खेल के विकास के लिये कार्यकर्म की घोषणा किया है, जिससे चीनी लोग अनभिज्ञ है, जिसमे 2019 में विश्व कप के योग्य बनना तथा टेस्ट राष्ट्र का दर्जा प्राप्त करने जैसे महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखे गए हैं।

इस असंगत प्रचार (कम से कम क्रिकेट प्रेस में) के बावजूद संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिकेट का विकास हुआ, अगले नये आने वाले प्रमुख देशों में दक्षिण एशिया से आने की संभावना है। यह खेल पहले से ही नेपाल और अफगानिस्तान में बहुत लोकप्रिय है और अंडर 18 विश्व कप और एसीसी ट्रॉफी के तहत प्रतियोगिताओं के परिणामों से यह साबित होता है कि इनमें प्राकृतिक प्रतिभा की कोई कमी नहीं हैं।

दूसरे, आईसीसी क्रिकेट के नियमों के अनुच्छेद 24.3 की समीक्षा कर रहा है, जो निष्पक्ष गेंदबाजी करने को परिभाषित करता है। बायोमैकेनिकल निष्कर्षो से पता चलता है कि श्रीलंकाई स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के हाथ में चोट लगी थी दूसरा गेंदबाजी करते समय एक्टेंशन के दिशानिर्देशों का उलंघन किया जाता है। मुरलाधरन की संदिग्ध हाथ की इस्तेमाल की शिकायत मैच रेफरी क्रिस ब्राड को कार्रवाही के लिए दी गई थी। अतः निष्कर्षों के आने से यह पत्ता चला है की मौजूदा दिशानिर्देश अपर्याप्त हैं और इसलिए उन्हें लागू नहीं किया जा सकता । इसका मतलब यह हुआ कि क्रिकेट के कानून पर आगे गौर करने कि जरुरत है।

संदर्भ ग्रंथ :–

1- hi.m.wikipedia.org

Copyright @ 2023 Author

2- बीबीसी समाचार पत्र 17 अप्रैल 2008.

3- गुहा रामचद्र, विदेशी खेल अपने मैदान पर. 2014

4- mohan sangeeta,history of indian criccket, lenin media 2016

5- kutty mahesh, cricket kathas, 2022.

6- michael henderson, that will be england gone 2020-

Copyright @ 2023 Author